साँवले सपनों की याद

पाठ का सार / प्रतिपाद्य

यह पाठ प्रसिद्ध 'बर्ड वाचर' सालिम अली के जीवन पर प्रकाश डालता है। सालिम अली ने अपना सारा जीवन पक्षियों के लिए समर्पित कर दिया। वे पक्षियों से बहुत प्रेम करते थे। बचपन में अपने हाथों से घायल पक्षी ने उनके जीवन को नई दिशा दी और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सारा जीवन वे इन्हीं के मध्य रहे। यह सारा पाठ उनकी सुंदर यादों से भरा पड़ा है। यही कारण है कि लेखक ने इसका नाम साँवले सपनों की याद रखा है, जो उसकी सार्थकता को सिद्ध करता है।

सालिम अली की चारित्रिक या स्वभावगत विशेषताएँ

- जिज्ञासु
- परिश्रमी
- खोजकर्ता
- दृढ़-निश्चयी
- भावुक तथा संवेदनशील
- पक्षियों से प्रेम करने वाले
- अपने कार्य के प्रति समर्पित

पाठ का उद्देश्य

- लोगों को पर्यावरण का महत्व दर्शाना।
- लोगों को सालिम अली द्वारा किए गए कार्यों से अवगत कराना।

पाठ से मिलने वाली शिक्षाएँ / संदेश / प्रेरणा

- लोगों को पर्यावरण को बचाने का संदेश देना।
- लोगों को जीव-जन्तुओं से प्रेम करने की प्रेरणा देना।